



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार, 28 मई, 2002/7 ज्येष्ठ, 1924

हिमाचल प्रदेश सरकार

गृह विभाग

प्रधिसूचना

शिमला-2, 22 मई, 2002

संख्या/गृह (अभियोजन) बी (2) 13/99.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परत्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श

से, अभियोजन विभाग हिमाचल प्रदेश में निदेशक (अभियोजन) वर्ग-1 (राजपत्रित) के पद के लिए इस अधिसूचना से संलग्न उपाबन्ध "क" के अनुसार भर्ती एवं प्रोन्नति नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश अभियोजन विभाग, निदेशक (अभियोजन), वर्ग-1 (राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 2002 है।

(2) ये नियम, राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

आदेश द्वारा,

राजेन्द्र भट्टाचार्य,
अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं सचिव (गृह)।

उपाबन्ध "क"

हिमाचल प्रदेश अभियोजन विभाग में निदेशक (अभियोजन), वर्ग-1 (राजपत्रित) के लिए भर्ती एवं प्रोन्नति नियम

- | | |
|---|--|
| 1. पद का नाम | निदेशक (अभियोजन) |
| 2. पदों की संख्या | 01 (एक) |
| 3. वर्गीकरण | वर्ग-1 (राजपत्रित) |
| 4. वेतनमान | 14300-400-15900-450-18600 रुपये। |
| 5. चयन पद अथवा अचयन पद | चयन |
| 6. संघी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये आयु। | लागू नहीं |
| 7. सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिये अपेक्षित न्यूनतम शैक्षणिक और अन्य अर्हताएँ। | अनिवार्य अर्हताएं : लागू नहीं
वांछनीय अर्हताएं : लागू नहीं |
| 8. सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये विहित आयु और शैक्षणिक अर्हताएँ प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी। | आयु : लागू नहीं
शैक्षणिक अर्हताएं : लागू नहीं |
| 9. परीक्षा की अवधि, यदि कोई हो | दो वर्ष, जिसका एक वर्ष से अधिक ऐसी और अवधि के लिये विस्तार किया जा सकेगा जैसा सक्षम प्राधिकारी विशेष परिस्थितियों में और लिखित कारणों से आवेदन दे। |

10. भर्ती की पद्धति—सीधी भर्ती होगी या प्रोन्नति या प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण द्वारा और विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता।

शत-प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा, ऐसा न होने पर प्रतिनियुक्ति द्वारा।

11. प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण की दशा में श्रेणियाँ, जिनसे प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण किया जाएगा।

संयुक्त निदेशक में से प्रोन्नति द्वारा जिनका 3 वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में 31-3-1998 तक की गई लगातार तदर्थ सेवा को शामिल करके 3 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो, ऐसा न होने पर भारतीय प्रशासनिक सेवाओं के अधिकारियों के काडर के पदधारी में से प्रतिनियुक्ति द्वारा।

(1) प्रोन्नति के सभी मामलों में, पद पर नियमित नियुक्ति से सम्भरण पद में 31-3-1998 तक की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिये इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिये, इन शर्तों के अधीन रहते हुए गणना में ली जायेगी कि सम्भरण पद पर तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति, भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाने के पश्चात् की गई थी :

परन्तु उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल (31-3-1998 तक तदर्थ आधार पर की गई सेवा जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुसरण में हो, को शामिल करके) के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किये जाने का पात्र हो जाता है, वहां वह अपने-अपने प्रवर्ग/पद/काडर में उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किये जाने के पात्र समझे जायेंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जायेंगे :

परन्तु उन सभी पदधारियों की, जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना है, कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा जो भी कम हो, होगी :

परन्तु यह और भी कि, जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किये जाने सम्बन्धी विचार के लिये अपात्र हो जाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिये अपात्र समझा जायेगा।

स्पष्टीकरण.— अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिये अपात्र नहीं समझा जायेगा यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है जिसे डिमोबिलाइज्ड ग्रामेंड फोर्सिस पर्सोनल (रिजर्वेशन आफ वेकेंसीज इन हिमाचल स्टेट नान-टैक्नीकल सर्विसिज) रुल्ज, 1972 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो तथा इसके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिये गये हों या जिसे ऐन्स सर्विसमें (रिजर्वेशन

आफ वेकैन्सीज इन दी हिमाचल प्रदेश टैक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1985 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो व इसके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिये गए हों।

(2) इसी प्रकार स्थायीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व 31-3-1998 तक की गई लगातार तदर्थ सेवा यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जायेगी यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाने के पश्चात् की गई थी :

परन्तु 31-3-1998 तक की गई उपर्युक्त निर्दिष्ट तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जो स्थायीकरण होगा, उसके फलस्वरूप पारस्परिक वरीयता अपरिवर्तित रहेगी।

12. यदि विभागीय प्रोन्नति समिति विद्यमान हो, तो उसकी संरचना।

जैसी कि सरकार द्वारा समय-समय पर गठित की जाए

13. भर्ती करने में जिन परिस्थितियों में हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग से परामर्श लिया जायेगा।

जैसा कि विधि द्वारा अपेक्षित हो

14. सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षा।

नागू नहीं

15. सीधी भर्ती द्वारा पद पर नियुक्ति के लिए चयन।

सीधी भर्ती के पद के लिए नागू नहीं।

16. आरक्षण

उक्त सेवा में नियुक्ति, हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा समय-समय पर अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों/पिछड़े वर्गों और अन्य प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए सेवाओं में आरक्षण की बाबत जारी किए गए आदेशों के अधीन होगी।

17. विभागीय परीक्षा

सेवा में प्रत्येक सदस्य को समय-समय पर यथा संशोधित विभागीय परीक्षा नियम, 1997 में यथा विहित विभागीय परीक्षा पास करनी होगी।

18. शिथिल करने की शक्ति

जहां राज्य सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है तो वहां यह कारणों को अभिलिखित करके और हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से आदेश द्वारा इन नियमों के किन्हीं उपबन्धों को किसी वर्ग या व्यक्तियों के संवर्ग या पदों की बाबत शिथिल कर सकेगी।

[Authoritative English text of this Department Notification No. Home (Prosecution) B (2) 13/99, dated 22-5-2002 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

HOME DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 22nd May, 2002

No. Home (Prosecution) B (2) 13/99.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission is pleased to make the Recruitment and Promotion Rules for the post of Director (Prosecution) in the Department of Prosecution, Himachal Pradesh as per ANNEXURE-“A” attached to this notification, namely :—

1. *Short title and commencement.*—(1) These Rules may be called the Himachal Pradesh Prosecution Department, Director (Prosecution) Class-I (Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 2002.

(2) These rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

By order,

R. BHATTACHARYA,
ACS-cum-Secretary (Home).

ANNEXURE-“A”

RECRUITMENT AND PROMOTION RULES FOR THE POST OF DIRECTOR OF PROSECUTION (GAZETTED) CLASS-I, IN THE DEPARTMENT OF HOME (PROSECUTION), HIMACHAL PRADESH

- | | |
|---|---|
| 1. Name of the post | Director of Prosecution |
| 2. Number of post | 1 (One) |
| 3. Classification | Class-I (Gazetted) |
| 4. Scale of pay | Rs. 14300-400-15900-450-18600 |
| 5. Whether selection post or non-selection. | Selection |
| 6. Age for direct recruitment | Not applicable |
| 7. Minimum educational and other qualifications required for direct recruits. | <p><i>Essential Qualifications :</i>
Not applicable.</p> <p><i>Desirable Qualifications :</i>
Not applicable.</p> |

8. Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of the promotees?

Age. Not applicable.
Educational Qualifications :
Not Applicable.

9. Period of probation, if any

Two years subject to such further extension for a period not exceeding one year as may be ordered by the competent authority in special circumstances and reasons to be recorded in writing.

10. Method of recruitment—whether by direct recruitment or by promotion, deputation, transfer and the percentage of vacancies to be filled in by various methods.

100% by promotion failing which by deputation.

11. In case of recruitment by promotion, deputation, transfer, grade from which promotion/deputation/transfer is to be made.

By promotion from amongst the Joint Director (Prosecution) who possess three years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* (rendered upto 31-3-1998) service in the grade failing which by deputation of an incumbent of the cadre of Indian Administrative Service Officers.

(1) In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-1998, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of Recruitment & Promotion Rules, provided that—

- (i) in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis upto 31-3-1998) followed by regular service/appointment in the feeder post in view of the provision referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration :

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of atleast

three years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less :

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

Explanation.—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion, if the senior ineligible persons happened to be Ex-servicemen recruited under the provisions of Rule 3 of Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provisions of Rule 3 of Ex-Servicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

(2) Similarly in all cases of confirmation, continuous *ad hoc* service rendered on the feeder post upto 31-3-1998, if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service, if the *ad hoc* appointment/promotion had been made after proper selection and in accordance with the provisions of the R. & P. Rules :

Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account, *ad hoc* service rendered upto 31-3-98 as referred to above shall remain unchanged.

12. If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition ?

As may be constituted by the Govt. from time to time.

13. Circumstances under which the H.P.P.S.C is to be consulted in making recruitment.

As required under the law

- | | |
|--|--|
| 14. Essential requirement for a direct recruitment. | Not applicable |
| 15. Selection for appointment to the post by direct recruitment. | Not applicable |
| 16. Reservation | The appointment to the service shall be subject to orders regarding reservation in the service for Scheduled Castes/Scheduled Tribes/Other Backward Classes/Other categories of persons issued by the Himachal Pradesh Government from time to time. |
| 17. Departmental Examination | Every member of the service shall pass a Departmental Examination as prescribed in the Departmental Examination Rules, 1997 as amended from time to time. |
| 18. Powers to relax | Where the State Government is of the opinion that it is necessary or expedient to do so, it may, by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the H.P.P.S.C., relax any of the provisions of these Rules with respect to any class or category of persons or posts. |